

15

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल म० १० ग्वालियर ।

(21)

प्रकरण क्रमांक

/2011-भारिव्यु

Review - 09 - PBR / 2011

औतार सिंह पुत्र बबू सिंह

निवाती गिरवाई तहसील व जिला ग्वालियर

----- आवेक

बनाम

भगवान सिंह पुत्र गर सिंह ॥ मुता ॥

॥ 1 ॥- रामेश्वर ॥

॥ 2 ॥- अतर सिंह ॥

॥ 3 ॥- किशान सिंह ॥

॥ 4 ॥- मेहबान ॥

॥ 5 ॥- महेन्द्र सिंह ॥

॥ 6 ॥- मु० कमला देवा नारायण सिंह

॥ 7 ॥- नरेश ॥ नाबालिग पुत्रगण नारायणसिंह



15

15/11/16

अनुसंधान
राजस्व मण्डल म. प्र.
ग्वालियर

O.P. Sharma
Adv.
31-2011

मामला नं० 12/11/16
अनुसंधान
9/11/16

12 (अ) श्रीमती गोमती बाई पत्नी स्व. श्री रामस्वरूप उम्र- 60 वर्ष

व्यवसाय- गृहणी

(ब) जबर सिंह उर्फ खच्चू सिंह उम्र- 42 वर्ष व्यवसाय- कृषि

(स) राजकुमार उम्र- 38 वर्ष व्यवसाय- कृषि

(द) गोवर्धन उम्र- 35 वर्ष व्यवसाय- कृषि

(य) हर्गोविन्द उम्र- 30 वर्ष व्यवसाय- कृषि

(र) सतीश उम्र- 27 वर्ष व्यवसाय- कृषि

(ल) रामबती उम्र- 33 वर्ष व्यवसाय- गृहकार्य समस्त पुत्रगण एवं पुत्री

स्व. श्री रामस्वरूप लोधी निवासीगण- ग्राम गिरवाई परगना व
जिला ग्वालियर म.प्र.



15/11/16

रिज्यू 09-832/2011

ग्वालियर

11211

- § 15 §- हनुवरीर § पुत्रगणा भजन सिंह
§ 16 §- राजवरीर §
§ 17 §- बलवरीर §
§ 18 §- तरस्वती
§ 19 §- पेमा § पुत्रीगणा भजन सिंह
§ 20 §- विद्यादेवी §
§ 21 §- श्रीमती अंगूरीबाई पत्नी केदार सिंह
तमस्त निवासीगणा ग्राम मानपुरा, तहसील
व जिला भिण्ड § 2090 §

----- अनावेदकगणा

रिज्यू आवेदनपत्र अन्तर्गत धारा 51 म090 भू-राजस्व संहिता ,
विरुद्ध आदेशा दिनांक 8-11-2010 को प्रकरण क्रमांक 1669/पीबीआर
/06 निगरानी में माननीय अध्यक्ष महोदय राजस्व मण्डल द्वारा
वारित किया जो अपर आयुक्त के प्रकरण क्रमांक 17/05-06 निगरानी
में दिनांक 14-8-06 को वारित किया जो अपर कलेक्टर ग्वालियर
के प्रकरण क्रमांक 36/02-03 निगरानी दिनांक 17-10-05 को विरुद्ध थी
जो अनुविभागीय अधिकारी ग्वालियर के प्रकरण क्रमांक 634/98-99
के विरुद्ध थी जो तेहसीलदार ग्वालियर के प्रकरण क्रमांक 19/81-82
के विरुद्ध की गयी थी ।

-----0-----

श्रीमान् जी ,

प्रार्थी/ आवेदक की ओर से पुनर्विलोकन § रिज्यू § आवेदनपत्र

निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य निम्न प्रकार हैं :-

§ 1 §- यह कि, मृतक भगवान सिंह के पिता गरसिंह द्वारा संहिता की धारा

110 के अन्तर्गत तहसील न्यायालय में हस्त आशय का आवेदनपत्र

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक रिव्यू-09-पीबीआर/2011 उत्तरांचल मण्डल जिला ग्वालियर

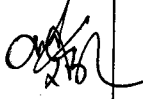
स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
6-6-2017	<p>उभयपक्ष के विद्वान अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के संदर्भ में अभिलेख का अवलोकन किया गया । यह पुनर्विलोकन इस न्यायालय द्वारा निगरानी प्रकरण क्रमांक 1669-पीबीआर/2006 में पारित आदेश दिनांक 8-11-2010 के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया है । म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 51 सहपठित व्यवहार प्रक्रिया संहिता के आदेश 47 नियम 1 में पुनर्विलोकन हेतु निम्नलिखित आधारों का उल्लेख किया गया है :-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1 किसी नई और महत्वपूर्ण बात या साक्ष्य का पता चलना जो सम्यक् तत्परता के पश्चात भी उस समय जब आदेश किया गया था, उस पक्षकार के ज्ञान में नहीं थी अथवा उसके द्वारा पेश नहीं की जा सकती थी, या 2 मामले के अभिलेख से ही प्रकट कोई भूल या गलती, या 3 कोई अन्य पर्याप्त कारण <p>आवेदक की ओर से ऐसी कोई साक्ष्य अथवा बात का उल्लेख नहीं किया गया है, जो आदेश पारित करते समय प्रस्तुत नहीं की जा सकती थी, और न ही अभिलेख से परिलक्षित त्रुटि ही दर्शाई गई है। आवेदक की ओर से मुख्यतः इस आधार पर यह पुनर्विलोकन प्रस्तुत किया गया है कि इस न्यायालय द्वारा आदेश में यह निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण निकाला गया है कि आवेदक मृत भूमिस्वामी द्रोपदी बाई का वारिस नहीं है, और वसीयतनामा को विधिवत प्रमाणित किया गया है, जबकि आवेदक बटटूसिंह का पुत्र होकर स्वर्गीय द्रोपदी का नाती है और वसीयतनामा साक्ष्य की धारा 68 के अनुरूप सिद्ध नहीं किया गया है । इस संबंध में इस न्यायालय द्वारा अपने आदेश में विधिवत वाद प्रश्न निर्धारित कर, उनके संबंध में विस्तार से विवेचना कर निष्कर्ष निकाले गये</p>	

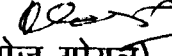
रिक्त ०९-१८२/२०११

ज्वालियर

है, जो हस्तक्षेप योग्य नहीं है । इस प्रकार यह पुनर्विलोकन आधारहीन होने से निरस्त किये जाने योग्य है

2. उपरोक्त विवेचना के आधार पर इस न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 8-11-2010 स्थिर रखा जाकर पुनर्विलोकन निरस्त किया जाता है ।




(मनोज गोयल)
अध्यक्ष